प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संस्कृत विभाग

Agency
For uploading on univ website.
27/7/22

सेवा में,
समस्त प्राचार्य
राजकीय, अशासकीय अनुदानित, स्ववित्तपोषित महाविद्यालय
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दिनांक :- 26/07/2022

विषय - ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने हेतु

महोदय,

एतद् द्वारा सूचित करते हुए हमें प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों तथा सम्वन्धित महाविद्यालयों के शिक्षकों, छात्रों को संस्कृत भाषा, सम्भाषण, शास्त्रज्ञान, ज्ञान-विज्ञान, अध्यात्मज्ञान का बोध कराने के लिए व्यापक स्तर पर ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित व क्रियान्वित करने हेतु निर्देश प्रदान किया गया है। इस क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन उक्त योजना को विश्वविद्यालय में तथा सभी राजकीय व अशासकीय महाविद्यालयों तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में व्यापक स्तर पर संचालित व क्रियान्वित करने का सद् संकल्प लिया है। संस्कृत विभाग विश्वविद्यालय के निर्णय एवं सद् संकल्प को आप सभी तक प्राप्त कराने हेतु तत्पर है। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से पाँच आचार्यों / प्रशिक्षकों का नाम प्रो. रविशंकर पाण्डेय, नोडल केन्द्र प्रभारी सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी को भेजा गया है। त्रैमासिक, षड्-मासिक एवं वार्षिक पाठ्यक्रम जो "ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम से सम्वन्धित है" का निर्माण किया जा रहा है। अतिशीघ्र अन्तिमरूप प्रदान कर दिया जाएगा एवं विद्यापरिषद् से पास कराकर नोडल विश्वविद्यालय द्वारा हमें उपलब्ध कराया जाएगा। संस्कृत विभाग इस पाठ्यक्रम को शीघ्र भेजेगा। विशेषतः निवेदन यह है कि इस पाठ्यक्रम में प्रतिभाग करनेवाले शिक्षकों / छात्र-छात्राओं का विवरण जैसे व्हॉट्स एप्प, मोवाइल नम्वर, ईमेल का पता, नाम, कक्षा, महाविद्यालय का नाम आदि सत्यापित सूची, कुलसचिव प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज को अवश्य उपलब्ध कराने की कृपा करें तथा आप उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम को संचालित करने हेतु अपना सहयोग एवं मार्गदर्शन हमें प्रदान करते रहें। भारतीय ज्ञान परम्परा एवं शास्त्रज्ञान की ओर हम आगे बढ़े। वेदों, उपनिषदों, गीता एवं वैदिक वाङ्मय तथा संस्कृत वाङ्मय को जनमानस तक बोध का अवसर प्रदान करने में आगे बढ़े। भारत विश्वगुरु कहा गया है। हमें उस भाव को क्रियान्वित करते रहना है।

अतः संस्कृत शिक्षकों एवं छात्रों का यथोक्त विवरण उपलब्ध कराने की महती कृपा करें।

सधन्यवाद

डॉ. मनमोहन तिवारी 26.7.22
अध्यक्ष
संस्कृत विभाग, सम्पर्क सूत्र 8805095519
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

संलग्नक -
1. ऑनलाइन संस्कृत पाठ्यक्रम प्रपत्र

प्रतिलिपि

1. कुलसचिव, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज को इस निवेदन के साथ कि विश्वविद्यालय से सम्वद्ध समस्त महाविद्यालयों को एजेन्सी द्वारा इस पत्र को प्राप्त कराकर अनुगृहीत करें।

Scanned by CamScanner